REPORTS OF THE DEPARTMENT RELATED PARLIAMENTARY STANDING COMMITTEE ON COAL AND STEEL

श्री देवदास आपटे (झारखंड): मैं विभाग-सम्बन्धित कोयला तथा इस्पात संबंधी संसदीय समिति (चौदहवीं लोकसभा) के निम्नलिखित प्रतिवेदनों की एक-एक प्रति (अंग्रेजी तथा हिन्दी में) सभा पटल पर रखता हूं:

(i) Sixth Report on the Action Taken by the Government on the recommendations contained in the Third Report of the Committee (Fourteenth Lok Sabha) on Demands for Grants (2004-2005) of the Ministry of Steel; and

(ii) Seventh Report on the Action Taken by the Government on the recommendations contained in the Forty-seventh Report of the erstwhile Department-related Parliamentary Standing Committee on Energy (Thirteenth Lok Sabha) on Safety in Coal Mines.

MATTER RAISED WITH PERMISSION

Request to Celebrate Platinum Jubilee of Shahid Bhagat Singh, Raj Guru and Sukh Dev's Martyrdom Day and to Install Their Statues and Portraits In Precinct of Parliament House

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया (झारखंड): सभापति महोदय, आज सुबह कार्यवाही शुरू होते ही यहां पर स्पेशल रेफरेंस करते हुए शहीद-ए-आज़म सरदार भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव के बलिदान दिवस पर इस सदन के माध्यम से उनके प्रति श्रद्धा जताई गई। महोदय, हम रोज याद करते हैं,

"शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर वर्ष मेले,

वतन पर मरने वालों का बाकी यही निशां होगा।"

सभापति महोदय, 74 वर्ष पूरे हुये हैं और 75वां वर्ष लगा है, शहीद-ए-आज़म सरदार भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव की कुर्बानी ने स्वतंत्रता संग्राम को एक नई लहर दी, एक नई दिशा दी और आखिरकार अंग्रेजी हुकूमत इस देश को छोड़कर गई। आज के नौजवानों में देश के प्रति, राष्ट्र के प्रति प्रेम की भावना जगाने के लिए हमने बहुत सारे नेताओं, बहुत सारे स्वाधीनता सेनानियों के बारे में सोचा है। मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि सरकार एक राष्ट्रीय-स्तर पर प्लेटिनम जुबली मनाने के लिए सारे देश में एक

कार्यक्रम निर्धारित करे। सेंट्रल हाल में, जहां से उस गूंगे और बहरे ब्रिटिश राज्य की हुकूमत को आवाज सुनाने के लिए शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव ने बम का धमाका करके, उनके बहरे कानों को आवाज सुनाई थी, उस सेंट्रल हाल में शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव का तैल चित्र लगाया जाये और इस पार्लियामेंट के प्रांगण में, उनका आदमकद बुत लगाकर देश की ओर से सच्ची श्रद्धांजलि दी जाये।

श्री सभापति: एक मिनट, एक मिनट। सभी माननीय सदस्य सपोर्ट कर रहे हैं, ठीक है। आप भी बैठ जाइये। आप भी यह बात कहेंगे। ...(व्यवधान)... आपका नाम मैंने लिख लिया है।

श्री तरलोचन सिंह (हरियाणा): सभापति महोदय, मेरी आपके माध्यम से यह दरख्वास्त है कि गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक नेशनल लेवल की कमेटी अपाइंट करे। अगले साल 75वां सालाना शहीदी दिन है और शहीद सरदार भगत सिंह के नाम से दिल्ली में और पार्लियामेंट में, दोनों जगह बुत लगाया जाये और उनकी यादगार कायम की जाए।

कार्मिक लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी): आदरणीय सभापति महोदय, इतिहास और शहीद हमें अपने आगे के कार्यों के लिए प्रेरणा देते हैं, मार्गदर्शन देते हैं। आज वह पुण्य दिन है जब हम शहीद भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव को श्रद्धापूर्वक याद कर रहे हैं, उनके बलिदान को याद कर रहे हैं, उनके गौरवमय कृत्य को याद कर रहे हैं। इसलिए हमारा यह नैतिक और धार्मिक कर्तव्य हो जाता है कि हम न केवल उन्हें औपचारिकता के रूप में याद करें, बल्कि इस स्मृति को चिरस्थाई बनायें, इस रूप में याद करें, इसके लिए उनके आदमकद की यहां प्रतिमा लगे, उनका चित्र लगे, इसके लिए जो प्रक्रिया है, उस प्रक्रिया से गुजरने के बाद हम सामयिक और अनुकूल निर्णय लें, यह हमारी कोशिश होनी चाहिए। आप जानते हैं कि इसके लिए आदरणीय स्पीकर महोदय की अध्यक्षता में एक कमेटी बनी हुई है, जिसको इसके बारे में निर्णय लेना होता है।

[श्री उपसभापति पीठासीन हुए।]

जहां तक सरकार का प्रश्न है, सरकार इस बात की पक्षधर है कि हम न केवल इन महान शहीदों को याद करें, बल्कि इस याद को हमेशा के लिए एक स्थाई यादगार बनायें, इसके लिए जो पूरे सदन की भावना है, उससे मैं अपने आप को सम्बद्ध करते हुए सरकार की ओर से आश्वस्त करता हूं कि इस दिशा में हम समुचित कदम उठायेंगे।

SPECIAL MENTIONS

Implementation Of 'Cat' Award

SHRI K. CHANDRAN PILLAI (Kerala): Sir, the previous Government had brought in a Resolution rejecting the Award of Board of Arbitration for